02

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 0 5 1 परीक्षा का विषय Hindi GEN

2. परीक्षा का माध्यम English परीक्षा की दिनांक 20-03-09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2002	

केन्द्र क्रमांक की सील
केन्द्राध्यक्ष
हाई स्कूल / हायर सेकेण्डरी
केन्द्र क्रमांक 431022

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक D5 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

3888864

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	4	3	1	6	7	8	1

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

B S E M P

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम चेतना ठाकुर पद अध्यापक

पता / संस्था

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक	प्रश्न	पृष्ठ	प्राप्तांक
1	3		11	10		21	18	
2	3		12	11		22		
3	4		13	12,21		23		
4	5		14	12		24		
5	5		15	13		25		
6	6		16	13		26		
7	7		17	14		27		
8	8		18	15		28		
9	8		19	16		29		
10	9		20	17		30		
कुल प्राप्तांक				शब्दों में			अंकों में	

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या ... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 473037 दिनांक........................ दिनांक........................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोडें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास' किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल

Q. 1.

(i) उ. कृष्ण

(ii) उ. गुलाबराय

(iii) उ. बात ही बड़ी

(iv) उ. भारतेन्दु युगों के

(v) उ. [scribbled] चार

Q.2

(i) उ. जब बरामदे और शयनागार का फर्श बैठ गया

(ii) ईश्वर की ओर

पृष्ठ के अंकों का योग

(iii) उ. रूपक

BSEMP

(iv) उ. गोपाल सिंह 'नेपाली'

(v) उ. कर्मधारय

Q.3.

(i) उ. सत्य

(ii) उ. सत्य

(iii) उ. असत्य

(iv) उ. असत्य

(v) उ. असत्य

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

Q.4.

(i) यशोधरा ने बसंत कहा है — सिद्धार्थ को

(ii) कन्याकुमारी नाम पड़ा है — पार्वती के नाम पर

(iii) अमीरी की तुलना मे गरीबी अधिक सुखद है — महात्मा गांधी

(iv) अम्बुज — कमल

मिसाइले — पृथ्वी और अग्नि

B S E M P

(i) उ. अवर्षा की स्थिति के कारण त्राहि-त्राहि मची हुई थी।

(ii) उ. सिरचन अपने हाथों से बनी हुई चीजो को मानू को देने के लिए स्टेशन गया था।

(iii) उ. बिन पानी के आटा मोटी और मनुष्य महत्वहीन हो जाते है।

(iv) उ. यशोधरा राजकुमार सिद्धार्थ की पत्नी थी।

हंसिनी ने राज-काज प्रजा को सौंपने का सुझाव दिया।

पृष्ठ के

Q.6.
उ०

यशोदा ने देवकी को संदेश भेजा कि मैं तो कृष्ण की पालन-पोषण करने वाली धाय हूँ। मैं तुमसे विनती करती हूँ कि तुम श्री कृष्ण के प्रति ममता का व्यवहार करना उसके प्रति कठोरता का व्यवहार मत करना। श्री कृष्ण को प्रातः काल माखन रोटी ही अच्छी लगती है इसलिए उसे माखन रोटी ही देना। तुम श्री कृष्ण की सभी फरमाइशों को पूरा करके उसके सभी नखरे उठाकर उसे स्नान के लिए मनाना तभी वह गरम पानी तेल और उबटन से स्नान करेगा। यशोदा ने देवकी को यह संदेश उसके मित्र उद्धव के साथ भेजा और कहा कि तुम श्री कृष्ण की सभी फरमाइशों को पूरा करना। श्री कृष्ण बहुत ही संकोची स्वभाव के हैं अतः तुम्हें ही उसकी रुचियों और आदतों का ध्यान रखना होगा।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

Q.7.
उ.

शक्तिशाली और सशक्त व्यक्ति यदि बल का सदुपयोग करे तो सफलता उनके कदम चूमती है। उन्हे जीवन के हर क्षेत्र मे सफलता प्राप्त होती है और उन्हें पराजय का मुँह नही देखना पड़ता। राम और कृष्ण इनके उदाहरण है। इन्होने बल का सदुपयोग किया इसलिए इनकी जयंती मनाई जाती है। जबकि रावण और कंस ने बल का दुरुपयोग किया यही कारण है उनके स्मरण मात्र से ही मन मे घृणा उत्पन्न होने लगती है। सात्विक सहयोग और राष्ट्रो के निर्माण के लिए बल बहुत अधिक उपयोगी है। बल कौशल और बुद्धि कौशल में भी पारस्परिक संबंध है। बल कौशल के बिना बुद्धि कौशल और बुद्धि कौशल के बिना बल कौशल व्यर्थ है। उदाहरण- राजपूतो मे बल था परंतु बुद्धि कौशल का अभाव था। यही कारण हैं कि इतनी वीरता दिखाने के बाद भी वे पराजित हुए। यदि उनमे बल के साथ बुद्धि कौशल भी होता तो आज उनका इतिहास कुछ और ही होता। बल दो प्रकार के होते है। आत्मबल और शारीरिक बल। भारत मे विकास के लिए आत्मबल को अधिक महत्व दिया जाता है।

B
S
E
M
P

पृष्ठ के .

B S E M I

Q. 8
उ.

आर्यभट्ट ने हमें बताया कि पृथ्वी सूरज के चारों ओर घूमती है। उन्होने रेखागणित के क्षेत्र मे वृत्त के परिनिधी और व्यास के उपासक पाई को परिभाषित किया है। बौद्धिक जागरण की प्रक्रिया मे अनेक लोगो का योगदान है जैसे धार्मिक संतो वैज्ञानिको कवियों दार्शनिको गणितज्ञो और खगोलविदो आदि। भारत जब बौद्धिक समाज के रूप मे परिवर्तित होगा तभी वह उन्नति करेगा। भारत के विकास के लिए पचंवर्षीय योजना बनाई गई। आर्यभट्ट ने दशमलव के चार अंको तक उसका शुद्ध मान बतलाया है। दशमलव पद्धति भी आर्यभट्ट की ही देन है।

Q. 9.
उ.

गाँधीजी का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण था कि ऐसी शिक्षा जिससें चरित्र निर्माण और कर्तव्य बोध हो वही सही शिक्षा है। केवल अक्षर ज्ञान शिक्षा नही है। सच्ची शिक्षा तो चरित्र निर्माण और कर्तव्य बोध मे है। गाँधीजी के अनुसार माँ की सेवा ही सच्ची

पृष्ठ के अंकों क

यो

शिक्षा है। यही तुम्हारा कर्तव्य है। गांधीजी आधी शिक्षा अक्षर ज्ञान को कहते हैं। उनके अनुसार केवल अक्षर ज्ञान होना या प्राप्त करना शिक्षा नहीं है। गांधीजी प्रचरित शिक्षा से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि जिस शिक्षा से व्यक्ति का चरित्र निर्माण हो वही सर्वश्रेष्ठ शिक्षा है। उनका मानना था कि शिक्षा के दो मूल उद्देश्य होना चाहिये। पहला यह कि व्यक्ति अपनी कमाई से ही अपनी फीस चुका सके और दूसरी यह कि व्यक्ति का शिक्षा से व्यक्तिगत निखरना चाहिये। ऐसी शिक्षा जो केवल अक्षर ज्ञान कराती हो और चरित्र निर्माण और कर्तव्य बोध की भावना उत्पन्न न हो आधी शिक्षा है।

BSEMP

Q.10
उ. 'पुस्तक' नामक निबंध मे नालंदा विश्वविद्यालय की यह विशेषता बताई है कि नालंदा विश्व-विद्यालय में पुस्तकालय का एक विशिष्ट क्षेत्र है। उस क्षेत्र को धर्मगंज कहते थे। इस विश्वविद्यालय में रत्नसागर, रत्नोदधि, और रत्नरंजक नाम के तीन पुस्तकालय थे। रत्नसागर पुस्तकालय मे नौ मंजिला भवन था। खिलजी बख्तियार के आग लगाने से ये पुस्तकालय जल कर नष्ट

P.T.O

पृष्ठ के बांकी भाग

10 | 37 + 4 = 41
योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 10 के अंक | कुल अंक

हो गए। शिक्षा का अपार भंडार अग्नि कांड मे जलकर भस्म हो गया। पुस्तकों के जलने के कारण देश को सबसे बड़ी क्षति पहुँचती है। देश का अपार भंडार जलकर नष्ट हो जाता है। प्रत्येक ग्रंथ रचनाकारो और कवियो की साधना का प्रतिफल होता है। सभी रचनाकारो का प्रयास और परिश्रम नष्ट हो जाता है। पुस्तकें भी कई षड्यंत्रो का शिकार होती हैं। इसलिए कुछ पुस्तकें प्रतिबंधित कर दी जाती है, कुछ पुस्तकें तिरस्कृत कर दी जाती है और कुछ विशेष लेखकों की पुस्तक जला दी जाती है। नालंदा विश्वविद्यालय के जलने से देश को सबसे बड़ी हानि हुई।

Q. 11
उ०

विदेशियों द्वारा हमारी परंपरा और उपलब्धियों को अपना कहकर प्रचारित करने के संदर्भ मे कवि ने 'उल्टे बास बरेली' कहा है। विदेशी जीवन शैली मे हम अपनी ही वस्तुओं को आयायित समझकर आधुनिक होने की दुंदभी बजा रहे है। हम अपनी ही संस्कृति के

BSEB

पृष्ठ के . . का योग

11

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 11 के अंक = कुल अंक

रहस्य जानने के लिए विदेश जा रहे है।
कवि ने यह कहा है कि हमारी भारतीय संस्कृति, भाषा परंपरा उपलब्धिया सर्वश्रेष्ठ है। हमें विदेशी जीवन शैली और पाश्चात्य वस्तुएँ नही अपनाना चाहिये। हमें अपने देश मे ही रहकर देश की उन्नति और प्रगति में सहयोग करना चाहिये। इसी में हमारा कल्याण होगा।

Q.12. द्विवेदी युग के निबंधकारों के निम्न नाम है :-
उ.
1. कन्हैयालाल मिश्र — बाँस की लकड़ी
अंगद का पेड़

2. फणीश्वरनाथ रेणु — सौदागर, तीर्थयात्रा

BSEMP

पृष्ठ के अंक योग

P.T.O

Q.13.
(अ)
(क) फूट-फूटकर रोना – बिलख कर रोना।
वाक्य :- राम ने जैसे ही अपनी माँ की मरने की खबर सुनी वह फूट-फूटकर रोने लगा।

(ग) हँसी-खेल न होना – असाधारण होना
वाक्य :- पाँचवी मंज़िल से छलाँग लगाना कोई हँसी खेल की बात नहीं है।

BSEMP

Q.14.
(अ)
(ख) सुत – वह लड़का गोपाल का सुत है।
सूत – गाँधीजी जेल मे सूत कातने का काम करते थे।

(ग) जाति – वह लड़का उच्च जाति का नहीं है।
जाती – रीना स्कूल से घर चली जाती है।

पृष्ठ के अंकों का योग

उत्तर :- (क) आप चुप ~~बैठे~~ रहो।
(ग) परिश्रम करने से तुम परिक्षा मे सफल हो जाओगे।

BSEMP

Q. 15. आशा से आकाश थमा है।
(i) लोगों मे यह कहावत प्रचलित है कि-
उ. 'उम्मीद पर दुनिया कायम है। उम्मीद से बढकर इस दुनिया में कोई चीज नही होती। आशा रखने से असफल कार्य भी सफल हो जाते है। इस दुनिया मे कोई चीज नामुमकिन नही है। यदि हम प्रयास करे और भगवान पर विश्वास रखे तो हमें सफलता जरूर मिलेगी। सफलता हमारे कदम जरूर चुमेगी। यदि हम किसी बात की असफलता से टूट चुके है तो उम्मीद की एक किरण हमे नई जिंदगी देती है। हम में नई उमंग और नई शक्ति पैदा करती है। हम मे आत्मविश्वास जगाती है ताकि हम अपने कार्य को पूरे शौर्य के साथ कर सके।

Q. 16. विश्व एक - - - - - - - - - - - - वास्तविक इंजन है।
उ. संदर्भ :- प्रस्तुत पंक्तियां हमारी पाठ्य पुस्तक के पाठ "मेरे सपनों का भारत" से ली गई है। इसके रचयिता ए.पी.जे अबुल कलाम है।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियों मे लेखक ने देश की उन्नति और प्रगति के लिए क्या करना चाहिये यह बताया है।

P.T.O

य

व्याख्या :- आज भारत बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहा है। देश की उन्नति भी इसी पर निर्भर है। यदि हमारा देश उन्नति करेगा तो ज्ञान और धन दोनों ही अधिक होगा और लोगों का रहन-सहन स्तर भी बढ़ेगा और ज्ञानस्तर भी बढ़ेगा। परंतु इसके लिए यह जानना बहुत ज़रूरी है कि हम देश की उन्नति मे कहा तक और किस स्तर तक पहुचे है। बौद्धिक समाज में परिवर्तित होकर ही भारत उन्नति के मार्ग पर चल सकता है और प्रगति कर सकता है। यही सही समय है जब भारत अपने आप को एक विकसित देश मे परिवर्तित करें और प्रगति करे।

BSEMP

Q. 17.
उ०

जैसा यह अटल .... हो जाता है ॥

संदर्भ :- प्रस्तुत पंक्तियां हमारी पाठ्य पुस्तक की कविता 'हिमालय और हम' से ली गई है। इसके रचयिता गोपाल सिंह 'नेपाली' है।

प्रसंग :- प्रस्तुत पंक्तियों मे लेखक ने हिमालय और भारतवासी के बीच में जो संबंध है, उसके बारे मे बताया है।

पृष्ठ ... को का योग

B S E M P

व्याख्या :- लेखक कहते है कि जिस प्रकार हिमालय पर्वत अटल, अडिग और अविचल है उसी प्रकार भारतवासी भी अपने निश्चय पर अटल और अविचल रहते है। जिस प्रकार हिमालय मे तूफानों से लड़ने की शक्ति है तो यह शक्ति भारतवासी मे भी है। यदि हिमालय पर्वत अमर है तो भारतवासी भी अमर है। जब तक हिमालय का अस्तित्व धरती पर है तब भारतवासी का अस्तित्व कोई खत्म नही कर सकता। जब तक हिमालय नष्ट नही होता तब तक भारतवासी को कोई नष्ट नही कर सकता। भारतवासी किसी भी तूफान से नही डरते लेकिन कभी किसी को दुख नही देते। जो इस धरती पर बह रही गंगा का जल पी ले वह सभी दुखो से दूर हो जाता है। हिमालय पर्वत और भारतवासी के बीच बस ऐसा ही नाता है।

Q. 18.

(क) प्रस्तुत पंक्तियो मे यह बताया गया है कि वर्षा ऋतु आने से सभी वन-उपवन लहलहाउठते है। सभी ओर प्राकृतिक सौंदर्य बिखरने लगता है। चारो ओर हरियाली छा जाती है। मोर वर्षा के कारण आनंद से नाँच उठते है। इस सुंदर दृश्य को नभ से घनघोर घटाए देखती है।

P.T.O.

पृष्ठ के अंक। 1

(ख)
उ. उक्त पंक्तियों मे "वर्षा ऋतु" का वर्णन हुआ है।

(ग)
उ. उक्त पद्यांश का उचित शीर्षक है - "वर्षा ऋतु"

B S E M P

प्र.19.
उ.
(क)
उ. उक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है - "राष्ट्रीय चरित्र"

(ख)
उ. क्रियान्वयन :- कार्य करने में
राष्ट्रीय चरित्र :- देश के लोगो का चरित्र

(ग)
उ. सारांश :- राष्ट्रीय चरित्र ही देश के विकास का आधार है। राष्ट्रवासियो के चरित्र पर ही उस देश की उन्नति निर्भर करती है। प्रजातन्त्र के लिए भी राष्ट्रीय चरित्र बहुत आवश्यक है। राष्ट्रीय चरित्र से ही राष्ट्र का गौरव बढ़ेगा। आज चरित्र के नाम पर हमारे देश का चरित्र और

पृष्ठ के अंकों का योग

मस्तक सबसे ऊँचा है।

Q. 20.

ऊ

93, खतरी पुरा
जावरा
दिनांक . 20-03-09

परम पूज्य पिताजी
'सादर चरण स्पर्श

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करती हूँ कि आप भी वहाँ कुशल होगें। आपके शुभ आर्शीवाद से मेरी पढ़ाई अच्छी चल रही है। मैं प्रातःकाल जल्दी उठकर अपने निवृत्त कर्म से निपटकर अध्ययन करने लगती हूँ। मैं प्रतिदिन छः से सात घंटे पढ़ाई करती हूँ। आपकी बताई हुई बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने गणित और विज्ञान की विशेष तैयारी कर ली है। आप मेरे विषय में चिंतित न हो। मैं पूरी कोशिश करूँगी कि मैं अपनी कक्षा में प्रथम आऊँ और आपका सिर गर्व से ऊँचा करूँ।

मातजी को चरण स्पर्श एवं छोटो को प्यार।

आपकी बेटी
क.ख.ग.

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(18) योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

Q.21.

उ. विज्ञान एवं कम्प्यूटर

1. प्रस्तावना :- विज्ञान ज्ञान है। और ज्ञान का कोई अंत नही होता। आज का युग विज्ञान का युग है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नए-नए अविष्कार कर रहा है। मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताए रोटी, कपड़ा और मकान है। मनुष्य अपनी इन्ही आवश्यकताओं के लिए नए-नए अविष्कार कर रहा है। विज्ञान ने मानव को पक्षियों जैसे आसमान मे उड़ने की शक्ति प्रदान की है। अंधे को आँख बहरे को कान और अपंग को पैर दिए है। आज विज्ञान ने मानव को असमंजस्य सुविधाएं प्रदान की है।

2. विज्ञान एवं कम्प्यूटर :- विज्ञान ने कई क्षेत्रों मे अपना योगदान दिया है। उनमे से एक है कम्प्यूटर। आज मानव ने कम्प्यूटर बनाया है तो सिर्फ अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए। कम्प्यूटर द्वारा घंटो के काम कुछ मिनटों मे कर लिए जाते है जिसने मनुष्य को आरामतलब बना दिया है। कम्प्यूटर के द्वारा कई बड़े-बड़े एकाउन्टस कुछ ही देर मे बना लिए जाते है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

कम्प्यूटर निम्न क्षेत्रों मे अत्यधिक महत्वपूर्ण है :-

(1) यातायात के क्षेत्र मे :- कम्प्यूटर ने यातायात के क्षेत्र मे बहुत बड़ा योगदान दिया है। आज कम्प्यूटर के द्वारा किसी भी प्रकार की टिकिट चाहे रेलवे हो या हवाई जहाज की आसानी से कराई जा सकती है। मनुष्य घर बैठ कर ही इन्टरनेट द्वारा टिकिट करा सकता है। कम्प्यूटर ने मानव को असमंजस्य सुविधा उपलब्ध की है।

(2) चिकित्सा के क्षेत्र मे :- कम्प्यूटर ने चिकित्सा के क्षेत्र मे भी कोई कम योगदान नही दिया है। कम्प्यूटर द्वारा मनुष्य के भीतरी अंग की बीमारी तक का पता लगाया जा सकता है और आसानी से कुछ ही समय मे रिपोर्ट तैयार कर दी जाती है। आज विज्ञान ने मृत्युदर को घटा दिया है।

(3) शिक्षा के क्षेत्र मे :- कम्प्यूटर ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ही उत्पन्न कर दी है। आजकल कम्प्यूटर द्वारा एक ही विषय पर हजारो पुस्तके तैयार कर ली जाती है। अनेक विषयों पर अनेक प्रकार सी.डी भी उपलब्ध है जिससे कठिन से कठिन विषयों पर पढ़ाई की जा सकती है।

(4) संचार के क्षेत्र मे :- आज कम्प्यूटर के द्वारा लोग अपनी आवाज के साथ-साथ तसवीर भी दूसरे देश या दुनिया की किसी भी कोने तक पहुंचा सकते है। चाँद और मंगल ग्रह के संदेश भी आसानी से धरती पर सुने जा सकते है।

P.T.O

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(5) कार्यालय के क्षेत्र में :- कम्प्यूटर ने कार्यालय के क्षेत्र मे बहुत बड़ा योगदान दिया है। हजारो मजदूरो की तन्खवाह का संक्षिप्तकरण आसानी से कम्प्यूटर द्वारा रखा जा सकता है।

3 दुष्ट परिणाम :- विज्ञान और कम्प्यूटर ने जहा मानव को असमंजस्य सुविधा उपलब्ध कराई है वहा इसके कुछ दुष्ट परिणाम भी है। हजारो मजदूरो के कार्य को मशीनो द्वारा करने से बेरोजगारी बढ़ गई है। आज मानव केवल बाहरी रूप से सुखी है मगर अंदर से उसका मन बहुत दुखी है। आज मनुष्य की श्रद्धा का स्थान तर्क ने ले लिया है। मनुष्य की आस्था गिरती चली जा रही है। मनुष्य के कार्य मशीनों द्वारा करने से मनुष्य आलसी और आरामतलब हो गया है। विज्ञान ने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है।

4. उपसंहार :- विज्ञान मानव के हाथ में अद्वितीय शक्ति है। वह चाहे तो इसका उपयोग कल्याण के लिए करे या विनाश के लिए। यदि विज्ञान का उपयोग मनुष्य कल्याण के लिए तो हम

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

अपने देश को स्वर्ग बना सकते हैं। इसी से हमारा और हमारे देश का कल्याण होगा।

Q. 13: निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :-
(ब)

(क)
उ. पुस्तक चुराई जाती है।

(ग)
उ. मीरा सुंदर लड़की है।

BSEMP

पृष्ठ के अंक का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

23

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग